GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal

ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

प्राथमिक स्तर पर सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे एवं इसके शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

प्रोफेसर सुषमा पांडेय
शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी गोरखपुर
पीयूष कुमार
शोध छात्र
शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी गोरखपुर

सारांश

विद्यालय को ही किसी भी देश के भविष्य की निर्माण स्थली मानी जाती है और वहां मिलने वाली शिक्षा को विकास का सर्वोत्तम साधन। विद्यालय का आधारभूत ढांचा (संरचना) किसी भी विद्यालय के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है इसके बिना कोई भी संस्था सुचारू रूप से संचालित नहीं हो सकती। इसलिये प्रत्येक शैक्षिक संस्था को एक न्यूनतम आवश्यक आधारभूत ढांचा (साधन) का प्रबन्ध करना ही होगा, ताकि वह अपने शैक्षिक क्रियाओं का सफलता से संचालन कर सके एवं वहां आने वाले विद्यार्थियों को उचित प्राथमिक शिक्षा प्रदान कर सकें। चूकी शिक्षा रूपी भव्य इमारत की आधारशिला प्राथमिक शिक्षा ही होती है इसलिए प्राथमिक शिक्षा रूपी आधारशिला जितनी मजबूत होगी शिक्षा रूपी इमारत उतना ही भव्य एवं शानदार होगा इसलिए हमें शिक्षा के नींव प्राथमिक शिक्षा को अधिक सुदृढ़ करने के लिए उस पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है इसलिये इस समय प्राथमिक स्तर के विद्यालयों के आधारभूत ढांचे का अध्ययन एवं जांच आवश्यक है। इसलिये शोधकर्ता ने यह अध्ययन सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे की स्थिति एवं स्तर का ज्ञान करने तथा उनका तुलनात्मक अध्ययन करने एवं वहां के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिये किया गया ताकि इसके आधार पर सरकारी तथा गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचो में आवश्यक वाछित सुधार के लिये सुझाव देने का प्रयास किया जा सकें।

मुख्य शब्द – आधारभूत ढांचे, शैक्षिक उपलब्धि

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

प्रस्तावना

भारत एक विकासशील एवं विश्व की दूसरी सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। जनसंख्या की दृष्टिसे यहाँ विद्यालयों एवं विद्यालय में संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आजादी के बाद से आने वाली सभी सरकारों ने समय-समय पर प्रयास किया है क्योंकि किसी भी विद्यालय के योजनाओं एवं प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से संचालित करने तथा उसे सफल बनाने में आधारभूत ढांचे का महत्वपूर्ण योगदान है। उचित आधारभूत संरचना के बिना कोई भी संस्था सुचारू रूप से कार्य नहीं कर सकती और न ही अपने वांछित लक्ष्यों को ही प्राप्त कर सकती है। एक विद्यालय में बालकों को प्रभावी शिक्षा देने के लिए एक उपयुक्त आधारभूत संरचना तथा उपयुक्त वातावरण आवश्यक है. इसके बिना वह बालको को उच्चस्तरीय तथा प्रभावी प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने में सफल नहीं हो सकता है। विद्यालय के आधारभूत संरबना में मुख्यतः विद्यालय भवन, खेल सामग्री एवं खेल का मैदान, कक्षा-कक्ष, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, कम्प्यूटर ,पीने का पानी आदि को शामिल किया जा सकता है। विद्यालय का भवन आकर्षक, मजबूत तथा आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिये। कक्षा-कक्ष में प्रकाश की उचित व्यवस्था होना चाहिये, बैठने की आरामदायक एवं उचित व्यवस्था, बालक तथा बालिकाओं के लिये अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था, पीने के पानी का उचित प्रबन्ध आदि होनी चाहिये। क्योंकि विद्यालय का आधारभूत ढांचा एवं सुविधायें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है तथा बालकों के शैक्षिक विकास को गति प्रदान करती है और विद्यालय को अपने पूर्व निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है। अतः इन आधारभूत संरचनाओं के बिना कोई भी शैक्षिक संस्था अपने अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकता और न ही बच्चों को उचित शिक्षा प्रदान कर सकता है, क्योंकि आधारभूत ढांचा ही किसी भी संस्था के भावी गतिविधियों के आधार का कार्य करता है। चूंकि प्राथमिक शिक्षा ही बालक के भावी तथा उच्च शिक्षा का आधार होता है। इसलिये बालको के शैक्षिक आधार को मजबूत बनाने के लिये प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में आधारभूत ढांचे का होना जरूरी है। इसलिये सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत सुविधाओं एवं शिक्षा पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना आवश्यक है जिससे की प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभुत सुविधाओं का पता लग सकें ताकि उसमें आवश्यक सुधार कर प्राथमिक शिक्षा को और सुदृढ़ किया जा सकें।

समस्या कथन-शोधकर्ता द्वारा निम्न रूप में चयनित समस्या को निर्मित किया गया

"सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे एवं इसके शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध का परिसीमन – प्रस्तुत शोध गोरखपुर नगर क्षेत्र के सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों तक ही सीमित रहेगा।

तकनिकी शब्दों का परिभाषिकरण – सरकारी प्राथमिक विद्यालय, गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालय, आधारभूत ढांचे, शैक्षिक उपलब्धि

1- सरकारी प्राथमिक विद्यालय - प्रस्तुत शोध में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों से तात्पर्य बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश, द्वारा संचालित विद्यालयों से है जहां कक्षा 1 से 5 तक की कक्षायें संचालित होती है।

2- गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालय - इस शोध में गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों से आशय निजी प्राथमिक विद्यालयों से है जहाँ कक्षा 1 से 5 तक की कक्षाये संचालित होती हैं।

3- आधारभुत ढाचें – इस अध्ययन में विद्यालयों के आधारभुत ढाचे से तात्पर्य विद्यालय भवन एवं वहाँ उपलब्ध अन्य सुविधाओं से है।

4- शैक्षिक उपलब्धि – प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षाफल से है।

शोध के उद्देश्य:- प्रस्तुत शोध के निम्न उद्देश्य निर्धारित किए गए i

1 सरकारी तथा गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत ढांचे के उपलब्धता का अध्ययन करना।

2. सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे का तुलना एवं विश्लेषण करना।

3. सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :- उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए निम्न परिकल्पना निर्मित की गई।

1-सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण :-

विश्वास मधुसूदन, शिक्षा शास्त्र विभाग, एडम्स विश्वविद्यालय, कोलकाता के अध्ययन में पाया गया कि पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अभी भी आधारभूत संसाधनों की उपलब्धता

पर्याप्त नहीं है यहां तक की कक्षा कक्ष की भी कमी है पांच कक्षाओं के संचालन के लिए दो से तीन कमरे ही उपलब्ध हैं एक कमरे में दो कक्षाओं का संचालन होता है और छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध नहीं है बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था भी अपर्याप्त है एवं पेयजल की भी व्यवस्था उचित नहीं है विद्यालयों में प्रशिक्षित शिक्षकों की भी कमी है जिससे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

तोमर सुरेन्द्र सिंह, शिक्षण विभाग, डी०एम० कालेज, मणिपुर के अध्ययन में पाया गया कि सरकारी विद्यालयों में आधारभूत ढांचे की कमी है। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में सामान्यतः 03 कमरे तथा एक बरामदा पाया गया, जबकि गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में सामान्यतः 08 से 10 कमरे पाये गये। सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा में बैठने की व्यवस्था बहुत अच्छी नहीं पायी गयी और वहाँ की कक्षाओं में प्रकाश की उचित व्यवस्था भी नहीं थी तथा शौचालय भी 01 से 02 थे। जबकि गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के बैठने की उचित व्यवस्था थी तथा वहाँ कक्षा-कक्ष में प्रकाश का उचित प्रबन्ध या गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पीने का पानी तथा शौचालय का बेहतर प्रबन्ध था। सरकारी विद्यालयों में पुस्तकालय तथा कम्प्यूटर कक्ष की कमी पायी गयी, जबकि गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पुस्तकालय तथा कम्प्यूटर कक्ष पाया गया। इस अध्ययन में गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचा सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे से काफी बेहतर पाया गया।

तिवारी योगेन्द्र नाथ व डॉ० अली इमरान, शिक्षाशास्त्र विभाग इन्टगरल विश्वविद्यालय, लखनऊ के अध्ययन में पाया गया कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे में बहुत अन्तर है। गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे के तुलना में बहुत ही निम्न कोटि के थे। जहाँ सरकारी विद्यालयों में उसे 4 कक्षा-कक्ष तथा बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी और शौचालय का स्थिति सामान्य पायी गयी, जबकि गैर सरकारी विद्यालयो में 10 से 12 कक्षा-कक्ष पाये गये तथा बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, शौचालय की स्थिति बहुत ही बेहतर पाया गया।

शोध प्रविधि- उपर्युक्त शोध के लिये वर्णनात्मक शोष के सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। इस अध्ययन में शोधकर्ता ने गोरखपुर शहर के दो सरकारी प्राथमिक तथा दो गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का चयन

किया और आकड़ो के संकलन के लिये साधारण याद्धच्छिक न्यादर्शन विधि का प्रयोग किया गया। शोधकर्ता स्वयं विद्यालयों का भ्रमण किया और सम्बन्धित आकड़ों का संकलन किया।

जनसंख्या एवं न्यादर्श – प्रस्तुत शोथ की जनसंख्या गोरखपुर नगर क्षेत्र में संचालित सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालय है इसमें से न्यादर्श के रूप में नगर क्षेत्र में अवस्थित विद्यालयों में से दो सरकारी एवं दो गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों का चयन साधारण याद्दच्छिक प्रतिदर्श चयन विधि के माध्यम से किया गया

आंकड़ों के संग्रहण के उपकरण-यह अध्ययन विद्यालय के आधारभूत ढांचे को शोध का केन्द्र बिन्दु मानकर किया गया है। इसके लिए इसमे दो सरकारी तथा दो गैर सरकारी विद्यालयों के आंकड़े एकत्रित किये गये है और ये सभी विद्यालय गोरखपुर शहरी क्षेत्र के है। गैर सरकारी विद्यालयों में प्रथम विद्यालय 'सरस्वती शिक्षु मन्दिर पक्की बाग, गोरखपुर तथा दूसरा विद्यालय 'सरस्वती विद्या मन्दिर आर्यनगर, गोरखपुर का चयन किया गया तथा सरकारी प्राथमिक विद्यालय के रूप में पहला विद्यालय आदर्श प्राथमिक विद्यालय रावत पाठ्शाला और दूसरे सरकारी प्राथमिक विद्यालय के रूप में प्राथमिक विद्यालय अलहदादपुर, गोरखपुर का चयन किया गया।

विद्यालयों के आधारभूत ढांचे से सम्बन्धित आंकड़ों के संग्रहण के लिए शोधकर्ता द्वारा स्व निर्मित जांच सूची का उपयोग कर आधारभूत ढांचे से संबंधित आंकड़ों का संग्रहण किया गया एवं शैक्षिक उपलब्धि हेतु संबंधित विद्यालयों के वार्षिक परीक्षाफल का संग्रहण किया गया जिसमें न्यादर्श के रूप में लिए गए विद्यालययों के कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के वार्षिक प्राप्तांको एवं परीक्षा परिणामों की सूची प्राप्त किया गया।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं निर्वचन-इस अध्ययन के लिये स्वयं निर्मित जांच सूची का शोधकर्ता द्वारा प्रयोग किया गया तथा शोधकर्ता द्वारा व्यक्गित रूप से दोनों तरह के स्कूलों का सर्वेक्षण किया गया तथा आकड़े एकत्रित किये गये। शोधकर्ता ने आकड़ो को एकत्रित करने में सम्बन्धित विद्यालय प्रशासन से आवश्यकतानुसार सहयोग ली।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

सारणी संख्या- 1

प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे से संबंधित तालिका

प्रबंध के प्रकार	विद्यालय के नाम	विद्यालय भवन की स्थिति	कक्षा कक्ष की संख्या	बैठने की व्यवस्था	शौचालय	
						पृथक शौचालय
गैर-सरकारी विद्यालय	1- सरस्वती शिशु मंदिर, पक्की बाग, गोरखपुर	बहुत अच्छा	15	बहुत अच्छा	4	हां
	2- सरस्वती विद्या मंदिर, आर्य नगर, गोरखपुर	बहुत अच्छा	15	बहुत अच्छा	5	हां
सरकारी विद्यालय	1- कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय रावत पाठशाला, गोरखपुर	अच्छा	5	अच्छा	3	हां
	2- कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलहदादपुर, गोरखपुर	अच्छा	3	सामान्य	2	हां

सारणी संख्या -2

प्राथमिक विद्यालय के आधारभूत ढांचे से संबंधित तालिका

प्रबंध के प्रकार	विद्यालय के नाम	पुस्तकालय	क्रीड़ा सामग्री एवं खेल का मैदान	पीने का पानी	कंप्यूटर तथा कंप्यूटर कक्ष
गैर-सरकारी विद्यालय	1 - सरस्वती शिशु मंदिर, पक्की बाग, गोरखपुर	हां	हां, बहुत बड़ा	हां, आर. ओ	हां 25
	2- सरस्वती विद्या मंदिर, आर्य नगर, गोरखपुर	हां	हां, बहुत बड़ा	हां, आर. ओ	हां 20
सरकारी विद्यालय	1-कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय रावत पाठशाला, गोरखपुर	नहीं	हां, छोटा	हां, सामान्य	नहीं 00

ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

	2- कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलहदादपुर, गोरखपुर	**नहीं**	**हां, बहुत छोटा**	**हां, सामान्य**	**नहीं 00**

व्याख्या-सारणी संख्या 1 यह प्रदर्शित करता है कि गैर सरकारी विद्यालयों में से दोनों विद्यालयों की भवन की स्थिति बहुत ही अच्छी है और यहां आवश्यक सभी सुविधाएं जैसे कक्षा कक्ष, बैठने की व्यवस्था, शौचालय आदि पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं गैर सरकारी विद्यालयों के कक्षा कक्ष प्रकाश की व्यवस्था, पंखा आदि से युक्त है. जबकि सरकारी विद्यालयों के भवन की स्थिति निजी विद्यालयों के अपेक्षा निम्न स्तर का है दोनों सरकारी विद्यालयों में से पूर्व माध्यमिक विद्यालय रावत पाठशाला की भवन की स्थिति अच्छी है और वहाँ बिजली और पंखे की व्यवस्था है कक्षा कक्ष की संख्या आवश्यकता के अनुरूप अर्थात पांच है और बैठने की व्यवस्था अर्थात फर्नीचर भी सामान्य है वहां तीन शौचालय उपलब्ध है जिसमें बालक बालिका के लिए अलग-अलग शौचालय उपलब्ध हैं जिसकी स्थिति भी अच्छी है और आवश्यकता के अनुरूप है ऐसे ही दूसरे सरकारी विद्यालय पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलहदादपुर के भवन की स्थिति तो अच्छी है तथा वहाँ भी बिजली और पंखे की व्यवस्था है लेकिन कक्षा कक्ष की संख्या 3 ही उपलब्ध है जो आवश्यकता के अनुरूप कम है इसके कारण एक ही कक्षा कक्ष में दो कक्षाओं का संचालन करना पड़ता है इसी प्रकार बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था बहुत ही सामान्य है यदि बात करें शौचालय की तो यहां दो ही शौचालय उपलब्ध है जिसमें से एक छात्रों के लिए है और एक छात्राओं के लिए, अर्थात छात्र- छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था है।

सरकारी तथा गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा-कक्ष की संख्या का तुलनात्मक अध्ययन करने पर पता चला कि जहां गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा-कक्ष का संख्या सामान्यतः 15 या उससे अधिक है वहीं सरकारी विद्यालयों में कक्षा-कक्ष की संख्या सामान्यतः 3 से 5 तक है। अर्थात् कक्षा-कक्ष की संख्या में बहुत अन्तर पाया गया। कुछ सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 5 तक की कक्षाये अलग-अलग संचालित करने के लिये 5 कक्षा-कक्ष भी उपलब्ध नहीं है. वहाँ एक ही कक्षा -कक्ष में दो या उससे अधिक कक्षायें संचालित करनी पड़ती है। गैर सरकारी विद्यालयों में से दोनों विद्यालयों में विद्यार्थियों के बैठने का उचित प्रबन्ध था लेकिन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था बहुत ही सामान्य था।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिये शौचालय का प्रबन्ध बहुत ही अच्छा था और वहाँ बालक तथा बालिका के लिये अलग-अलग शौचालय उपलब्ध थे एवं पर्याप्त संख्या में थे लेकिन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में बालक तथा बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय भी उपब्ध थे लेकिन संख्या में गैर सरकारी विद्यालयों की तुलना में बहुत ही कम थे अर्थात गैर सरकारी विद्यालयों में में शौचालय की व्यवस्था भी सरकारी विद्यालयों से अच्छी थी और पर्याप्त संख्या में थी जबकि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय की संख्या गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के तुलना में कम थी।

अब सारणी संख्या-2 का विश्लेषण करे तो पता चलता है कि सभी गैर सरकारी विद्यालयों में पुस्तकालय उपलब्ध थे लेकिन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पुस्तकालय नही थे क्योंकि पूर्व माध्यमिक विद्यालय रावत पाठशाला प्राथमिक विद्यालय एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलहादादपुर में पुस्तकालय नहीं था और वहां के प्रधानाध्यपक महोदय से जानकारी मिली की केवल माडल प्राइमरी विद्यालयों में ही पुस्तकालय की सुविधा दी गई है। अर्थात अधिकांश सरकारी प्राथमिक विद्यालये में पुस्तकालय की सुविधा नहीं है।

यदि खेल के मैदान की बात करें तो आकड़ों से प्रदर्शित होता है कि गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में बड़े आकार का खेल के मैदान तथा प्रर्याप्त मात्रा में खेल सामाग्री उपलब्ध है लेकिन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में से कुछ में खेल के मैदान है तो कुछ में नहीं है जैसे की रावत पाठशाला प्राथमिक विद्यालय में भी छोटे आकार का खेल का मैदान ही उपलब्ध है ऐसे ही प्राथमिक विद्यालय अलहादादपुर में खेल के मैदान के रूप में बहुत ही छोटा स्थान है लेकिन यदि बात करें खेल सामग्री की तो सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में भी खेल सामग्री उपलब्ध है।

विद्यार्थियों के लिए पीने का पानी का होना अति आवश्यक है गैर सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के पीने के पानी के लिए आर०ओ० लगा है लेकिन सरकारी विद्यालयों में पीने के पानी के लिए हैण्ड पम्प का प्रयोग होता है अर्थात वहां पेय जल के लिए आर०ओ० की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

वर्तमान समय में कम्प्यूटर के महत्व को देखते हुए बच्चों को कम्प्यूटर की शिक्षा देना अति आवश्यक है इस आधार पर एकत्रित आकड़ों से पत्ता चलता है कि प्रत्येक गैर सरकारी विद्यालयों में कम्प्यूटर के लिए एक कम्प्यूटर कक्ष है, और उसमें लगभग 20 या उससे अधिक संख्या में कम्प्यूटर उपलब्ध है. जबकि सरकारी विद्यालयों में कोई भी कम्प्यूटर एवं कम्प्यूटर कक्ष उपलब्ध नहीं हैं ।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal

ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे का तुलनात्मक अध्ययन के लिए सारणी संख्या -1 एवं सारणी संख्या -2 में उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण एवं उक्त शोध में आधारभूत ढांचे के अध्ययन के दृष्टिगत सभी 8- आयामों जैसे- विद्यालय भवन की स्थिति, कक्षा कक्ष की संख्या, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, पुस्तकालय, क्रीड़ा सामग्री और खेल का मैदान, पीने का पानी, कंप्यूटर तथा कंप्यूटर कक्ष के विश्लेषण से यह प्रत्यक्ष रूप से परिलक्षित होता है कि गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे के तुलना में उच्च स्तरीय हैं अर्थात सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की तुलना में गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत ढांचे अधिक सुविधापूर्ण एवं आकर्षक हैं एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में अधिक आधारभूत संसाधन उपलब्ध हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि सरकारी व गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढाँचे का तुलनात्मक अध्ययन करने पर पाया गया कि गैर-सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढाँचे तथा सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे में प्रत्यक्ष अन्तर है । गैर-सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढांचे से सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे बेहतर पाये गये ।

सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन-

सारणी संख्या- 3

सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की औसत शैक्षिक उपलब्धि तालिका

विद्यालय के नाम	औसत वार्षिक परिणाम					विद्यालय का कुल औसत
	कक्षा -1 %	कक्षा -2 %	कक्षा -3 %	कक्षा -4 %	कक्षा -5 %	
1 - सरस्वती शिशु मंदिर, पक्की बाग, गोरखपुर	90	76	65	65	66	72.6
2- सरस्वती विद्या मंदिर, आर्य नगर, गोरखपुर	77	75	68	64	57	68.2
3-कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय रावत पाठशाला, गोरखपुर	58	55	57	52	55	55.4
4- कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय अलहदादपुर, गोरखपुर	51	59	50	55	56	54.2

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

सारणी संख्या- 4

सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की औसत शैक्षिक उपलब्धि तालिका

विद्यालय के प्रकार	औसत वार्षिक परिणाम					विद्यालय का कुल औसत
	कक्षा -1 %	कक्षा -2 %	कक्षा -3 %	कक्षा -4 %	कक्षा -5 %	
गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालय	54.5	57	53.5	53.5	55.5	54.8
सरकारी प्राथमिक विद्यालय	83.5	75.5	66.5	64.5	61.5	70.4

व्याख्या-प्राथमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव के अध्ययन की बात करें तो सारणी संख्या- 3 व सारणी संख्या- 4 आकड़ों का अध्ययन एवं विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जहां सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा एक के विद्यार्थियों का औसत शैक्षिक उपलब्धि 54.5% है वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा एक के विद्यार्थियों का औसत शैक्षिक उपलब्धि 83.5 प्रतिशत है अर्थात सरकारी प्राथमिक विद्यालयों एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा एक के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में में बहुत ही अंतर परिलक्षित हुआ और गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालय की औसत वार्षिक उपलब्धि बेहतर पाई गई इसी प्रकार कक्षा दो में जहां सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 57% पाई गई वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 75.5 प्रतिशत पाई गई, इसी प्रकार कक्षा तीन में जहां सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 53.5 प्रतिशत पाई गई वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 66.5% पाई गई ऐसे ही आगे भी कक्षा चार में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों के औसत शैक्षिक उपलब्धि 53.5 प्रतिशत पाई गई वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्ध 64.5 प्रतिशत पाई गई इसी प्रकार कक्षा 5 में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 55.5 प्रतिशत पाई गई वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 61. 5 प्रतिशत पाई गई इस प्रकार कक्षा एक से कक्षा 5 तक के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि जहां 54.8 प्रतिशत पाया गया वहीं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि 70.4% पाया गया

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 2
Issue: 5
September- October: 2025

इस प्रकार आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से बेहतर है सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है। क्योंकि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का औसत वार्षिक उपलब्धि का प्रतिशत गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की तुलना में काफी कम पाया गया। जहाँ सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों का औसत वार्षिक प्राप्तांक 54.8 प्रतिशत पाया गया वहीं गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों का वार्षिक औसत प्राप्तांक 70.4 प्रतिशत पाया गया इस आधार पर यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है कि सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है क्योंकि गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की औसत शैक्षिक उपलब्धि सरकारी प्राथमिक विद्यालयों से बेहतर है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1- तोमर सुरेन्द्र सिंह ,सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत ढाँचे का अध्ययन। शिक्षण-प्रशिक्षण विभाग, डी. एम. कालेज, मणिपुर

2- तिवारी योगेन्द्र नाथ, डा० अली इमरान,सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के आधारभूत संरचना का तुलानात्मक अध्ययन ,शिक्षाशास्त्र विभाग इण्टगरल विश्वविद्यालय, लखनऊ

3- वायस ऑफ रिसर्च, गुगल ।

4- विश्वास मधुसूदन, 24 परगना जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता एवं उसके सदुपयोग, शिक्षा शास्त्र विभाग, एडम्स विश्वविद्यालय, कोलकाता